प्राक्कथन

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 70वें सत्र में 'हमारी दुनिया को बदलना- सतत् विकास के लिए 2030 कार्यसूची' शीर्षांकित संकल्प को अपनाया गया जिसमें 17 सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) तथा 169 संबंधित उद्देश्य शामिल है। इस सभा में, भारत सरकार ने 2030 कार्यसूची तथा एसडीजी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एसडीजी से गरीबी उन्मूलन, पृथ्वी का संरक्षण, शांति एवं सभी के लिए समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए विकास कार्यसूची तथा नीतियां तैयार करना अपेक्षित है। इस लेखापरीक्षा का उद्देश्य समीक्षा एवं अनुवर्ती प्रक्रिया में योगदान देना, एसडीजी के कार्यान्वयन हेतु सरकार की तैयारियों का मूल्यांकन एवं विभिन्न स्तरों पर तैयारियों को बढ़ाने हेतु उचित अनुशंसाएं करना था। 'लक्ष्य 3 - उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली' हेतु तैयारी पर भी विशेष रूप से जांच की गई थी।

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय व्यय), नई दिल्ली के एक दल द्वारा, असम, छत्तीसगढ़, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल राज्यों के महालेखाकारों से प्राप्त निविष्टियों के अनुसार, इस प्रतिवेदन के लिए कार्य किया गया था। यह प्रतिवेदन सरकार द्वारा एसडीजी के कार्यान्वयन हेतु प्रारंभ की गई प्रमुख पहल को प्रस्तुत करता है तथा इससे संबंधित चिंता के विषयों को उजागर करके, सुधार के उपाय सुझाता है। यह लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुरूप की गई थी।

यह प्रतिवेदन भारत के संविधान के अनुच्छेद 151 के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत करने के लिए तैयार किया गया है।